

झरपना अ.क्रि. (देश.) झरप देना जिससे आँसू गिर पड़ें जैसे- कभी कभी सरसों का तेल झरपता भी है।

झरर-झरर क्रि.वि. (अनु.) झराझरा।

झरवाना स.क्रि. (देश.) 1. झड़वाना 2. बौछार मारना।

झरसना अ.क्रि. (देश.) झुलसना, झुलसाना, कुम्हलाना।

झरहरना अ.क्रि. (अनु.) झर-झर शब्द करना।

झरहरा वि. (देश.) छोटे-छोटे छड़ों वाला, जालीदार, झँझरा/झँझरी (झरहरी) स्त्री. जाली वाली।

झरहराना अ.क्रि. (देश.) झर-झर ध्वनि करते हुए पत्तों का नीचे आ गिरना, खड़बड़ाना।

झरहरि क्रि.वि. (अनु.) झर-झर शब्द करते हुए।

झरहिल स्त्री. (देश.) एक प्रकार की चिड़िया।

झरा पुं. (देश.) पानी से पैदा होने वाला एक प्रकार का धान स्त्री. झड़ी, झरना, सोता।

झराझर क्रि.वि. (देश.) 1. झर-झर शब्द सहित 2. बराबर, लगातार।

झरोखा पुं. (देश.) 1. झंझरी, छोटी खिड़की 2. गवाक्ष।

झर्झर पुं. (तत्.) 1. झाँझ 2. एक नद 3. कलियुग 4. झाँझर नामक गहना (पैरों में पहना जाता है, जो झन-झन करता बजता है)।

झर्झरक पुं. (तत्.) कलियुग।

झर्झरा स्त्री. (तत्.) तारा देवी का एक नाम 2. वेश्या, वारांगणा।

झर्झरावती स्त्री. (तत्.) 1. गंगा नदी 2. कटसरैया का पौधा।

झर्झरिका स्त्री. (तत्.) तारा देवी।

झर्झरिल पुं. (तत्.) शिव।

झर्झरी स्त्री. (तत्.) शिव।

झर्झरीक पुं. (तत्.) 1. देश 2. शरीर 3. चित्र।

झर्झरी पुं. (देश.) बया पक्षी।

झल पुं. (देश.) 1. ताप, चिलचिलाती धूप 2. दाह, जलन, आँच, झरप 3. क्रोध 4. कामेच्छा, काम-वासना।

झलक स्त्री. (तद्.) 1. चमक, दमक, प्रकाश 2. प्रतिबिंब।

झलकना अ.क्रि. (देश.) 1. चमकना, दमकना 2. आभास होना, प्रतिबिंबित होना।

झलकनि स्त्री. (देश.) झलक।

झलका पुं. (देश.) छाला, फफोला उदा. झलका झलकत पायन्ह कैसे। पंकज कोस ओसग जैसें।

झलकाना स.क्रि. (देश.) चमकाना, दमकाना, दरसाना, आभास देना।

झलकित वि. (देश.) 1. झलक से युक्त 2. जिसे झलकाया गया हो।

झलकी स्त्री. (देश.) 1. किसी कार्यक्रम आदि के पक्ष को प्रकट करने वाली बातें या घटना 2. झलक 3. हास्य-व्यंग्य प्रधान छोटी नाटिका बहु. झलकियाँ।

झलझल स्त्री. (देश.) चमचमाहट (आभूषणों आदि की), चमक-दमक क्रि.वि. 1. चमकते हुए, झलाझल 2. तेज आभा से युक्त होकर।

झलझला (झलज्झला) स्त्री. (अनु.) 1. बूँदों के गिरने का शब्द 2. हाथी के कान फटफटाने की आवाज।

झलझलाना अ.क्रि. (अनु.) चमकना, दमकना।

झलझलाहट स्त्री. (देश.) 1. चमक-दमक 2. झलकने की क्रिया या भाव।

झलना स.क्रि. (देश.) 1. पंखा आदि हिलाकर हवा करना 2. पंखा करना।

झलमल क्रि.वि. (देश.) झलझल, चमकता हुआ।

झलमला वि. (देश.) चमकीला, चमकता हुआ।

झलमलाना अ.क्रि. (देश.) 1. रह-रह कर चमकना 2. चमचमाना।

झलराना अ.क्रि. (देश.) 1. लहराना 2. बढ़ना, फैलना।

झलरी स्त्री. (तत्.) झाँझ।